

## हठ कर बैठयो जाट सांवरा | By Sanjay Mittal |

ॐ गजाननं भूतगणादि सेवितम्  
कपित्थ जम्बू फल चारु भक्षणम् ।  
उमा सुतं शोक विनाश कारकम्  
नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम् ॥

हठ कर बैठयो जाट,  
सांवरा तन्ने आनो से ।  
घार्या राबड़ी रोटी श्याम,  
तन्ने भोग लगानो से ॥

तन्ने मेवा मिसरी भावे,  
माखन पे लार टपकावे ।  
जे रोटी राबड़ी खातिर,  
हरी मिर्ची देख घबरावे ।  
खाती मीठी छाछ श्याम,  
तन्ने पी जानी से ।  
घार्या राबड़ी रोटी श्याम,  
तन्ने भोग लगानो से ॥

मैं मोटी बुद्धि वालो,  
कई मोटा रोटी बनायो ।  
बस एक रोटी तू खा ले,  
फिर रहसी धायो धायो ।  
नखरा श्याम दिखावे मत ना,  
पप्पू स्यानो से ।  
घार्या राबड़ी रोटी श्याम,  
तन्ने भोग लगानो से ॥

जब तक ना श्याम जिमाऊं,  
खेत पर कहीं ना जाऊं ।  
मैं कई दिना को भूखो,  
श्री श्याम नाम ही गाऊं ।  
बड्या घनेरा काम,  
श्याम खेती पर जानो से ।  
घार्या राबड़ी रोटी श्याम,  
तन्ने भोग लगानो से ॥

या देख जाट की भक्ति,  
सांवरिया दौड़यो आयो ।  
झट रोटी राबड़ी जिम्यो,  
और जाट ने बैठ जिमायो ।  
कहे रमेश भक्त को मोहन,  
मीत पुरानो से ।  
घार्या राबड़ी रोटी श्याम,  
तन्ने भोग लगानो से ॥

हठ कर बैठयो जाट,

सांवरा तन्ने आनो से ।  
घार्या राबडी रोटी श्याम,  
तन्ने भोग लगानो से ॥

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%a0-%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%9f-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-sanjay-mittal/>